

ख़बर संक्षेप



अवैध नशे पर अंकुश लगाने पर पुलगांव थाना प्रमारी का सम्मान
अंडा। पुलगांव क्षेत्र में अवैध शराब, गांजा व नशीली गोलिएं की बिक्री और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने पर वार्डवासियों ने थाना प्रभारी गुरविंदर सिंह संधू का शॉल व श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। स्थानीय निवासी रज्जु दुबे ने बताया कि थाना प्रभारी संधू ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए लगातार सघन जांच अभियान चलाया, जिससे क्षेत्र में नशीले पदार्थों की बिक्री और अपराधों में भारी कमी आई है। थाना प्रभारी ने गणेश उत्सव और विसर्जन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर दिनेश यादव, ऋषभ दुबे, मोनू साहू, पवन साहू, संदीप निषाद, चित्तरंजन और उमाशंकर सहित गणेश समिति के सदस्य उपस्थित थे।

आलबरस में जलाया आशीर्वाद का दिया



अण्डा। ग्राम पंचायत आलबरस में आयोजित कार्यक्रम में सरपंच सैनिक भुवन लाल देशमुख सहित जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं गांव के विशिष्ट नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने मिलकर आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर अण्डा-निकुम मंडल अध्यक्ष लिकेश्वर देशमुख, प्रताप यादव, अशोक हरमुख, भीष्म देशमुख, झाड़ निषाद, प्रेम प्यार निषाद, पंच सोमनाथ देशमुख, अलख यादव, दिलीप अंजु, सरोजिनी, कुमारी रेणुका देशमुख, श्वेता, पंचायत सचिव सावित्री टंडन, कोमल देशमुख, चरण निषाद सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं गांव के विशिष्ट नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन में शामिल सभी जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों के प्रति आयोजकों ने हृदय से आभार व्यक्त किया।

2100 दीपों से जगमगाया जनपद पंचायत पाटन परिसर



पाटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर जनपद पंचायत पाटन का परिसर 2100 दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक ने जनपद पंचायत परिसर में 2100 दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कीर्ति नायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर विकास और जनकल्याण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनके जन्मदिवस के अवसर पर दीप प्रज्वलित कर देश की समृद्धि, विकास, शांति एवं जनकल्याण की कामना की गई।

निधन

गिरधर लाल ताम्रकार

दुर्ग। कर्मचारी नगर निवासी गिरधर लाल ताम्रकार (देवादा वाले) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. कलानाथ ताम्रकार के पुत्र, श्रवण, दिलीप, पवन ताम्रकार के बड़े भाई और सत्यनारायण, लक्ष्मीनारायण, रामनारायण, व्यासनारायण, सूर्यनारायण ताम्रकार के पिता थे।

समाज रत्न का पुण्य स्मरण, सम्मान समारोह व निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

दाऊ उत्तम साव के मार्ग पर चलकर ही अच्छे समाज और देश का निर्माण संभव : ताम्रध्वज

हरिभूमि न्यूज »» उतई

छत्तीसगढ़ साहू संघ के संस्थापक अध्यक्ष, समाज रत्न दाऊ उत्तम साव के पुण्य स्मरण दिवस के अवसर पर ग्राम चिरपोटी में भव्य सम्मान समारोह, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खोपली परिक्षेत्र साहू संघ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं की बड़ी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में समाज को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि आज हम सबको भाजपाई और कांग्रेसी होने का गौरव होता है, लेकिन दुख की बात है कि हमें साहू होने का गौरव अनुभव नहीं होता। हमें समाज में साहू होने का गौरव जगाना होगा। आने वाला समय बहुत चुनौतीपूर्ण आने वाला है, इसलिए अपनी आने वाली पीढ़ी को संस्कार की शिक्षा देना सबसे जरूरी है। दाऊ उत्तम साव के बताए मार्ग पर चलकर ही हम एक अच्छा समाज और एक अच्छे देश का निर्माण कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि स्व. उत्तम साव खोपली परिक्षेत्र से ही थे और उन्होंने पूरे छत्तीसगढ़ में साहू समाज को

संस्कार विकास के लिए मिलजुल कर काम करें : डॉ. निरेन्द्र



समाज की महिला शक्ति को आगे आना होगा तभी समाज सशक्त होगा : रमशीला
अतिविशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री रमशीला साहू ने कहा कि समाज की महिला शक्ति को आगे आना होगा तभी समाज सशक्त होगा। जिला साहू संघ दुर्ग के अध्यक्ष गव्दलाल साहू, प्रदेश महामंत्री राजेश साहू, तहसील दुर्ग गामीण अध्यक्ष पीआर साहू एवं प्रदेश संगठन सचिव सुभाष साव ने भी अपने विचार रखे और दाऊ उत्तम साव के योगदान की याद किया और परिक्षेत्रीय अध्यक्ष घनश्याम गजपाल ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि खोपली परिक्षेत्र विगत 12वर्षों से प्रदेश के सामाजिक नियम, मुक्त संस्कार, शांति भोज में भात, दाल सब्जी सादा भोजन को मानकर चल रहा है उनकी मांग है कि यह नियम प्रदेश के पूरे जिलों में लागू होे। प्रदेश व जिला के ये पदाधिकारी सचिव महिला प्रकोष्ठ प्रदेश साहू संघ सुमन बाला साव, सचिव जिला साहू संघ भिलाई राजेश्वरी साहू, सं गठन सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ सुभाष साव, कार्यकारिणी सदस्य महिला प्रकोष्ठ प्रदेश साहू संघ इंदिरा साव, राजेंद्र साव, हीरा साव, घनेश्वरी साहू, डॉ. सुकुमारी साहू, डॉ. बलराम साहू, अर्जुन लाल साहू, यतीश साहू, कृष्ण साहू भी शामिल रहे। वहीं खंड चिकित्सा विभाग निकुम दुर्ग व महिमा अस्पताल उतई के द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। गामीण साहू समाज चिरपोटी अध्यक्ष पुहुपुराम साहू ने आभार व्यक्त किया तथा मंत्र संचालन दयाराम साहू व घनश्याम गजपाल ने किया।

संगठित करने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। हम सबको समाज के भीतर फैली बुराइयों को दूर करने का संकल्प लेना होगा और अपने बच्चों को नशा व अन्य सामाजिक बुराइयों से बचाकर रखना

होगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश साहू संघ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. निरेन्द्र साहू ने कहा कि दाऊ साव ने समाज को एक सूत्र में पिरोया था। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम संस्कार विकास के लिए मिलजुल कर काम

सामाजिक कार्यकर्ता व प्रतिभावान छात्रों का किया सम्मान

इस अवसर पर समाज के तहसील, परिक्षेत्र व ग्राम के अध्यक्ष गणों, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता व प्रतिभावान छात्रों का सम्मान किया गया जिसमें तहसील अध्यक्ष अमरदास साहू, पूसऊराम साहू, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष गिरेश साहू, गणेश साहू, लोकनाथ साहू, घनश्याम साहू, छज्जुलाल साहू, गामीण अध्यक्ष टेकसिंह साहू, रमेश गजपाल, चंद्रशेखर साहू, गजेन्द्र साहू, गौतेश्वर साहू, पुहुपुराम साहू, रमेश साहू, किशोर गजपाल, प्रतिभावान छात्रों में 10 वीं से लक्ष्मी साहू, वेतन साहू, 12 वाणिज्य में टोमन साहू, कुमकुम साहू, गणित में विनीता साहू, प्रीती साहू, बायोलॉजी में रश्मि साहू, साक्षी साहू, समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वालों में स्वर्गीय रामकृष्ण के मरणोपरांत उनकी पत्नी नैन बाई साहू, डॉ. टीकम साहू व दयाराम शिक्षक को सम्मान दिया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत स्थापति श्रद्धा साहू, जनपद पंचायत दुर्ग के उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, जनपद सदस्य दालेश साहू, तहसील उपाध्यक्ष जागेश्वर साहू, लक्ष्मी साहू, महासचिव उमाशंकर साहू, ग्राम पंचायत चिरपोटी की सरपंच पूजा चंद्राकर, परिक्षेत्र अध्यक्ष घनश्याम गजपाल, उपाध्यक्ष गुलाब साहू, संरक्षक नंद कुमार गजपाल, युगल किशोर साहू, चंद्रकृष्ण साहू आदि शामिल हैं।

कहें। बच्चों में शिक्षा और संस्कार दोनों का समावेश जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक बुराइयों को दूर करने व संस्कार निर्माण पर प्रदेश से पार तक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

राज्य स्तरीय ताईवत्वांडो प्रतियोगिता बिलासपुर में दुर्ग ने मचाया धूम

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य ताइक्वांडो संघ बिलासपुर द्वारा 21वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन राज्य खेल प्रशिक्षण संस्थान बहतराई बिलासपुर में 18 से 20 सितंबर तक किया गया। जिसमें 18 जिला के लगभग 570 खिलाड़ी, कोच, मैनेजर और निर्णायक हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम बिलासपुर, द्वितीय दुर्ग, तीसरा रायगढ़ और चतुर्थ स्थान पर कोरबा रहे। दुर्ग टीम की वापसी पर विधायक ललित चंद्राकर ने दुर्ग रेल्वे स्टेशन पहुंच कर इस उपलब्धि पर बच्चों को बधाई दी। उन्होंने बच्चों को हर संभव सहयोग की बात कही। जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव राकेश पुरी गोस्वामी ने बताया कि दुर्ग जिला 14 स्वर्ण पदक, 13 रजत पदक और 10 कांस्य पदक के साथ 119 अंक प्राप्त करते हुए प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया और उपविजेता का ट्रॉफी अपने नाम किया। मुख्य कोच अनिल कुमार देवांगन, चरोदा क्लब से सहयोगी कोच ईशु यादव, मृत्युंजय प्रधान, उत्तमकुमार बौद्ध, चंद्रकुमार साहू रहे। राष्ट्रीय रेफरी राकेश पुरी गोस्वामी, धुनेश्वरी ठाकुर और ज्योति वर्मा निर्णायक की भूमिका में रहे। स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी में सुहाना गारुडीक, रोहित रघुनाथ नायर, शौर्य वर्मा, स्वतंत्र तिवारी, काव्य यादव, हर्षिता कुमारी, हर्ष कुमार शिववंशी, साक्षी चौहान, डी अक्षया, शिवानी, टी प्रणय कुमार, मोहित डहरिया, रिद्धी डहरिया, कुशमीता साहू, जतिन नायक, राजलक्ष्मी पटेल रहे। रजत पदक विजेता खिलाड़ियों में ज्योति वर्मा, गुरेश मानिकपुरी, अक्षित भगत, मायरा निगम, रुचिका निषाद, इंद्रजीत चौधरी, श्वेता चौहान, पुष्पेन्द्र कुमार देवांगन, वात्सल्य बंकुरे, मोक्ष साहू, एन निखिल राम, वाय आरोही, सोनिया सोनी, कुलदीप सेन रहे। कांस्य पदक विजेता खिलाड़ियों में हर्षित शर्मा, कंचन विश्वकर्मा, अभिजीत दुबे, आर्या मिश्रा, कायरा निगम, प्रिस बंजारे, प्रियांशु सिंह चौहान, मानस कुमार, लिवेश कुमार वर्मा, वाय रितिका, काव्य कुमार शिववंशी, आयुष यादव, तुष्य देवांगन, यथार्थ वर्मा, शौर्य सिंह चौहान रहे। सांसद विजय बघेल, विधायक ललित चंद्राकर,जिला ताइक्वांडो संघ दुर्ग के कार्यकारी अध्यक्ष मोहन पुरी गोस्वामी, रोशन ताम्रकार, रिवेंद्र यादव, अविनाश प्रताप सिंह, राजेश वर्मा, धनसिंह चंद्राकर ने सभी बच्चों को बधाई दी।



न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

गैटेरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल

प्रधान स्तुतिदा

- गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श
- गर्भवती एवं सीजेडिलन डिलीवरी
- एवं बच्चेटानी का ऑपरेशन व लसवती
- सर्वसुविधासुवत PICU, NICU, OT

डॉ. सी.पी.सिंह
(एनबीबीएल, एनडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह
(एनबीबीएल, पी.ओ.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

9009553989, 9090204620
प्राणत जगन, अमरकेश चोक के पास, बुकिवारी रायपुर
संघ - मातृ स्मृति जंगल बजार, गारुडी नदिर के समीप, बुकिवारी, रायपुर

- बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्षिता, साईइंदीयल, सरकन सीजन की सुविधा
- आयुमान काई और CSEB से कैशलेस उपचार,
- TPA की सुविधा

एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब

गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर

9827144197, 9827144777

- गुर्ज रोग एवं सर्जरी
- किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
- प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
- यौन संबंधी समस्याएं
- महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्मान काई की सुविधा उपलब्ध

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)

9039050422, 9179455561

१ सटरवती ढाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर । १ मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडीह मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

गणेशोत्सव की मची धूम



उतई। बाल मित्र गणेश उत्सव समिति मिल पारा उतई।



जामगांव आर । राजा गणराजा समिति धमना द्वारा स्थापित गणपति बप्पा ।



उतई। सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति सीआईएसएफ आरटीसी उतई।



भिलाई। श्री बाल गणेश विकास समिति (60 वां वर्ष) वार्ड-29, केम्प-1, भिलाई।



रक्तदान कर युवाओं ने दी मानवता की मिसाल

हरिभूमि न्यूज »» भिलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर भाजपा और भाजयुमो उतई मंडल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उतई में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के

प्रदान किया गया। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर जी ने कहा कि रक्तदान केवल एक सेवा भर नहीं है, यह किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने का संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में सेवा, सुशासन और

■ सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजयुमो द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

उन्होंने रक्तदान कर मानवता और समाजसेवा की मिसाल प्रस्तुत करने वाले सभी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। चंद्र देवांगन, राकेश देवांगन, उज्ज्वल साहू, भूषण माणिकपुरी, कैलाश साहू, वेदांशु साहू आदि ने रक्तदान कर मानव सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया। इस अवसर पर कुल 25 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्त वीर को प्रमाण हेल्मेट

योजनाएं आयुष्मान भारत से गरीब को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज, उज्ज्वला योजना से माताओं-बहनों को धूप से मुक्ति, प्रधानमंत्री आवास से गरीब के सिर पर पक्की छत, और हर घर जल से नल तक पानी पहुंचा है। इस अवसर पर शीतला ठाकुर, चंद्र देवांगन, प्रवीण यदु, संगीत रजक, लक्ष्मी नारायण साहू, सतीश चंद्राकर, राकेश देवांगन, फलेंद्र राजपूत आदि उपस्थित थे।

जेएलएन चिकित्सालय में नवजात पुनर्जीवन पर राष्ट्रीय आईपी-एनएनएफ कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज़ »» मिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के सेक्टर-9, भिलाई में इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) छत्तीसगढ़ एवं नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम (एनएनएफ) के सहयोग से राष्ट्रीय एलएपी-एनएनएफ -एफजीम बेसिक नियोनेटल रिससिटेशन प्रोग्राम (एनआरपी)-फर्स्ट गोल्डन मिनट (एफजीएम) कार्यशाला का आयोजन किया गया। अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार थे। विशिष्ट अतिथि विभागाध्यक्ष डॉ. संबिता पंडा उपस्थित थीं। महाप्रबंधक संजय शर्मा, संजय दवे, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुबोध साहा तथा डॉ. नीना गुहा ने सहभागिता की।

खबर संक्षेप

मछली पकड़ने गया

युवक नदी में बहा

भिलाई। शिवनाथ नदी में मछली पकड़ने गया युवक नदी के तेज बहाव में अनियंत्रित होकर बह गया। घटना शनिवार देर शाम की है। मिली जानकारी के मुताबिक लापता युवक का नाम धासीदास नगर जामुल निवासी पवन है। पवन अपने दो नाबालिग दोस्तों के साथ शिवनाथ नदी के किनारे मछली पकड़ने गया हुआ था। तीनों नदी तट पर बैठकर कांटा डालकर मछली पकड़ रहे थे। इसी दौरान कांटा में एक बड़ी मछली फंस गई। कांटा पानी के अंदर किसी झाड़ी या पत्थर में उलझ गई, जिसे छुड़ाने और मछली को निकालने के लिए पवन नदी के गहरे पानी में उतर गया। नदी में पानी की धारा बेहद तेज थी। जैसे ही पवन थोड़ा आगे बढ़ा, पानी के प्रचंड वेग के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया। पवन को नदी में बहते देख किनारे खड़े दोनों नाबालिग साथी घबरा गए।

जोर-जोर से शोर मचाने लगे। हालांकि, जब तक आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचते, तब तक पवन तेज बहाव में बहकर ओझल हो चुका था। घटना की सूचना तुरंत जेवरा सिरसा पुलिस चौकी को दी गई। खबर लाते ही परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है।

दमकल टीम ने एक

गाड़ी पानी से पाया काबू

भिलाई। पावर हाउस स्थित व्यस्ततम जवरा मार्केट में सोमवार तड़के पारक ज्वेलर्स के स्टोर में अचानक भीषण आग लग गई। सूचना पर दुर्ग अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा कार्यालय को मिली। तुरंत दमकल कमी पहुंचे और आग को बुझाने में लग गए। आग ने दुकान को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया था। दल प्रभावी विजय चतुर्वेदी के नेतृत्व में अग्निशमन कर्मचारी रामनाथ कुरे, जितेन्द्र वर्मा और हरीश ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए तुरंत मोर्चा संभाला। दमकल कर्मियों ने एक गाड़ी पानी की मदद से कड़ी मशकत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। अग्निशमन दल की सुझबुझ से आग को आसपास की अन्य दुकानों में फैलने से रोक लिया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन

समिति को मिला सम्मान

भिलाई। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा को सिडको प्रदर्शनी केन्द्र, वाशी, नवी मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित अखिल भारतीय हिंदी दिवस-2026 एवं ‘छठे राजभाषा सम्मेलन में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग को वर्ष 2025-26 के लिए राजभाषा नीति के तहत प्रभावी प्रदर्शन के लिए ‘संश्रेष्ठ नराकास’ की श्रेणी में ‘नराकास प्रोत्साहन, सम्मान’ प्रदान किया गया।



हरिभूमि न्यूज़ »» मिलाई

पावर हाउस चौक में सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए गए फल ठेलों के खिलाफ नगर पालिक निगम भिलाई की रोका-छेका टीम ने कार्रवाई की। सड़क किनारे ठेले और अस्थायी दुकानें लगने से मार्ग की चौड़ाई कम होने तथा यातायात प्रभावित होने की शिकायतों के बाद निगम की टीम मौके पर पहुंची और ठेलों को हटाया।

पावर हाउस चौक शहर के व्यस्ततम इलाकों में शामिल है, जहां दिनभर बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही रहती है। निगम अधिकारियों के अनुसार सड़क और



सेक्टर 9 हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने नवजात शिशु मृत्यु दर कम करने किया जागरूक

भारत में एस्फिक्सिया 20% मृत्यु का कारण

कार्यशाला में विशेषज्ञ संकाय में स्पर्श अस्पताल के निदेशक डॉ. एपी सावंत व शंकराचार्य कालेज के प्रोफेसर शंकराचार्य डॉ. ज्ञानेश मिश्रा शामिल थे। आईएपी-एनएनएफ राज्य समन्वयक, (जेएनएम मेडिकल कॉलेज, रायपुर) डॉ. आकाश लालवानी द्वारा राज्य-स्तरीय नेतृत्व प्रदान किया गया। नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम (एनएनपीडी) नेटवर्क के अनुसार, पेरिनेटल एस्फिक्सिया भारत में 20 प्रतिशत नवजात मृत्यु का कारण है। जन्म के समय लगभग 10 प्रतिशत नवजातों को सांस लेने में सहायता तथा 1 प्रतिशत को गहन पुनर्जीवन की आवश्यकता होती है।

डॉ. कुमार ने उन्होंने कहा कि संरचित एवं कौशल-आधारित प्रशिक्षण से स्वास्थ्य कर्मियों की दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ रोकथाम योग्य नवजात मृत्यु को कम किया जा सकता है।

मुख्य परामर्शदाता डॉ. माला चौधरी ने बताया कि कार्यशाला एक संरचित, वस्तुनिष्ठ एवं एल्गोरिथम-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसमें राष्ट्रव्यापी रूप से निर्धारित चरणों का क्रमबद्ध पालन किया जाता है। प्रतिभागियों के

पुनर्जीवन कौशल का मूल्यांकन परफॉर्मेंस चेकलिस्ट तथा परफॉर्मेंस इवैल्यूएशन टेस्ट के माध्यम से किया जाता है।

कार्यशाला में 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें बाल रोग एवं प्रसूति विभाग के पोस्ट ग्रेजुएट रेजिडेंट डॉक्टर, लेबर रूम एवं मेटर्नटी नर्स तथा अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की नर्सिंग छात्राएं शामिल थीं।

छावनी पुलिस थाना क्षेत्र की घटना

घरेलू सिलेंडर पार करने वाले युवक पुलिस पकड़ में



हरिभूमि न्यूज़ »» मिलाई

सिलेंडर चोरी करने वाले आठ युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी शोभराज अग्रवाल ने बताया कि ग्राम कुटेला भाठा, चौकी जेवरा सिरसा निवासी घनश्याम कुरें ने छावनी पुलिस में अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज किया था। 18 सितंबर को देशी शराब भट्टी के पास,

रायपुर से दुर्ग जाने वाली सर्विस रोड, साक्षरता चौक कैम्प- 1 भिलाई के पास खड़े वाहन सीजी 07 सीए 8090 में रखे 36 भरे हुए घरेलू इंडेन गैस सिलेण्डर को अज्ञात ने पार कर दिया था।

विवेचना के दौरान पुलिस ने प्रमोद देवांगन का पहचान किया। जिसे पकड़कर पूछताछ करने पर 36 सिलेण्डरों में से 16 सिलेण्डर जामुल अहिवारा रोड, और 20 सिलेण्डर अलग-अलग को 2 हजार

रुप में बेचना स्वीकार किया। घटना में शामिल अहिवारा रोड, जामुल हाल शर्मा कॉलोनी, कैम्प-2 निवासी प्रमोद देवांगन, जामुल सुरेन्द्र कुशवाहा, शिवपुरी नहर पार, वार्ड 10 जामुल ओमप्रकाश वर्मा, लक्ष्मीपारा, वार्ड 4, जामुल गोपीचंद यादव, शिवपुरी जामुल बुद्धसेन

कुमार साहू, जामुल लाता वर्मा, रावण भाटा , वार्ड 5 जामुल उर्वशी

पटेल, वार्ड 4, गणेश नगर, जामुल.तुकेश्वरी साहू को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से पुलिस ने 20 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर, चार पिथा वाहन समेत अन्य सामान जब्त किया है। जिसकी कुल कीमत 3.50 लाख रुपए आंकी गई है। उक्त सामान बैकुण्ठ धाम दशहरा मैदान के पास से बरामद किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड में लिया गया है।

नराकास स्तरीय हिंदी निबंध प्रतियोगिता में अमृता प्रथम

हरिभूमि न्यूज़ »» मिलाई

नगर राजभाषा कार्यालय समिति, भिलाई-दुर्ग (नराकास) के तत्वावधान में सेल केन्द्रीय विपणन संगठन, शाखा विक्रय कार्यालय, सेक्टर-1, भिलाई द्वारा शाखा विक्रय कार्यालय के सभागार में नराकास स्तरीय हिंदी निबंध प्रतियोगिता एवं चित्र देखो-कविता लिखो प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजक संस्थान के प्रमुख, महाप्रबंधक (विक्रय) व शाखा प्रबंधक, शाखा विक्रय कार्यालय, सेक्टर-1, संतोष पात्रा, महाप्रबंधक (विक्रय) और विक्रय निवासी प्रबंधक, केन्द्रीय विपणन संगठन सेक्टर-1, भिलाई, बिजय कुमार, निर्णायक उपसंभाग दुर्ग तथा जितेन्द्र दास मानिकपुरी, उप प्रबंधक बीएसपी (राजभाषा) उपस्थित थे।

संस्थान प्रमुख संतोष पात्रा ने स्वागत उद्घोषण दिया। बिजय कुमार, विक्रय निवासी प्रबंधक, केन्द्रीय विपणन संगठन सेक्टर-1 ने कहा कि, हम सभी हिंदी अनुरागी हैं। हमारा यह



लाइव इवेंट

शहर में गणपति बप्पा के विभिन्न स्वरूप



राजनंदिनी गणेशोत्सव समिति रामनगर भिलाई।



चन्द्र नगर उमरपोटी सार्वजनिक मंगल भवन में विराजे श्री गणपति।



युवा जन कल्याण गणेशोत्सव समिति मैत्री कुंज वार्ड 22 अवती उदयन रिसाली भिलाई।



सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति नेहरू भवन रोड सुपेला।



सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति चुड़ी लाइन के सामने सुपेला।



बप्पा मोरया गणेशोत्सव समिति ग्राम तुमाकला (बोरी)।

● गणेश पंडालों में हो रहे सांस्कृतिक और रचनात्मक आयोजन, प्रतिभाओं को मिल रहा मंच

भक्ति के साथ प्रतिभा और संस्कार, पान व चाकेलेट मोदक की बिखरी खुशबू, मंत्रोच्चार कर हुआ बच्चों का विद्यारंभ

भिलाई। दिवसिटी में गणेश उत्सव के साथ अब पंडाल केवल पूजा और दर्शन तक सीमित नहीं रह गए हैं। भव्य झांकियों और आकर्षक सजावट के बीच कहीं भक्तों की पाक-कला सामने आ रही है तो कहीं बच्चों को संस्कार और शिक्षा से जोड़ने की पहल की जा रही है। शहर के अलग-अलग गणेश पंडालों में धार्मिक आयोजनों के साथ प्रतियोगिताएं, पूजन और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में खुर्सीपार के श्रीराम चौक स्थित नव जागृति गणेश उत्सव समिति के पंडाल में मोदक मेकिंग और फ्यूजन मोदक प्रतियोगिता ने लोगों का ध्यान खींचा। वहीं सेक्टर-2 न्यू आजाद गणेश उत्सव समिति के पंडाल में बच्चों के विद्यारंभ संस्कार से लेकर महिलाओं के लिए कुमकुम पूजा तक के आयोजन किए जा रहे हैं। दोनों स्थानों पर उत्सव में लोगों की भागीदारी और उत्साह देखने को मिल रहा है।

51 प्रतिभागियों ने सजाए पारंपरिक और फ्यूजन मोदक, न्यू आजाद गणेश उत्सव समिति में 150 से 200 बच्चों का कराया विद्यारंभ

150 से 200 बच्चों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया विद्यारंभ

सेक्टर-2 न्यू आजाद गणेश उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित भव्य गणेश पंडाल में धार्मिक आयोजनों के साथ बच्चों को शिक्षा और संस्कार से जोड़ने की पहल की जा रही है। आचार्य पंडित संदीप तिवारी के मार्गदर्शन में यहां चक्रधर पूजा का आयोजन किया गया। इसके बाद छोटे बच्चों के लिए विद्यारंभ संस्कार का आयोजन हुआ। इस अवसर पर करीब 150 से 200 बच्चों ने हिस्सा लिया। समिति की ओर से बच्चों को कॉपी, पेन और किताबें भी प्रदान की गईं। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बच्चों का विद्यारंभ संस्कार कराया गया। अभिभावक भी बच्चों को लेकर उत्साह के साथ पहुंचे। धार्मिक वातावरण में शिक्षा की शुरुआत कराने के इस आयोजन ने पंडाल में आने वाले श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया।



मंगलवार को महिलाओं के लिए कुमकुम पूजा

आयोजक श्रीनिवास राव और ललिताने बताया कि गणेश उत्सव के अंतर्गत मंगलवार को यहां सौभाग्यवती महिलाओं और कुंवारी कन्याओं के लिए कुमकुम पूजा का आयोजन किया जाएगा। आचार्य पंडित संदीप तिवारी के सान्निध्य में होने वाली इस पूजा में महिलाओं की भागीदारी रहेगी। आयोजन में शामिल



होने वाली महिलाओं से पीले वस्त्र पहनकर आने का आग्रह किया गया है। समिति के अनुसार कुमकुम पूजा में बड़ी संख्या में महिलाओं के शामिल होने की उम्मीद है।

51 प्रतिभागियों ने बनाए पारंपरिक से लेकर फ्यूजन मोदक

श्रीराम चौक, खुर्सीपार स्थित नव जागृति गणेश उत्सव समिति के आयोजन में मोदक मेकिंग और फ्यूजन मोदक प्रतियोगिता रखी गई। इसमें दुर्ग-भिलाई और आसपास के क्षेत्रों से कुल 51 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में भगवान गणेश को प्रिय पारंपरिक मोदक के साथ नए स्वाद और प्रयोगों को भी शामिल किया गया। प्रतिभागियों ने अपने बनाए मोदक को आकर्षक ढंग से सजाकर प्रतियोगिता में प्रस्तुत किया। यहां चॉकलेट, पान, बेसन, काजू, नारियल और बटरस्कोच मोदक सहित कई तरह की वैरायटी देखने को मिली। पारंपरिक स्वाद के साथ फ्यूजन मोदक में किए गए प्रयोगों ने प्रतियोगिता को खास बनाया। प्रतिभागियों ने केवल स्वाद ही नहीं, बल्कि मोदक की प्रस्तुति और सजावट पर भी विशेष ध्यान दिया। अलग-अलग आकार और आकर्षक सजावट में सजे मोदक श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का विषय बने। मोदकों का स्वाद और गुणवत्ता जांचने के बाद झांकी स्थल पर मौजूद पंडितों ने निर्णायक की भूमिका निभाई। उनके द्वारा सभी मोदकों का स्वाद लेकर प्रतियोगिता का मूल्यांकन किया गया और विजेताओं की घोषणा की गई। समिति की संस्कृति प्रमारी अंकिता श्रीवास्तव ने बताया कि गणेश उत्सव के दौरान अलग-अलग दिनों में सोशल मीडिया रील मेकिंग और फोटो मेकिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। प्रतिभागियों में इन आयोजनों को लेकर खासा उत्साह रहा। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया, जबकि आने वाले दिनों में आयोजित डांस प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया जाएगा।



नूतन को मिला मंजरी सम्मान

लोकमंजरी का 35 वां स्थापना दिवस मना

भिलाई। छत्तीसगढ़ी लोककला साहित्य और संस्कृति के संरक्षण संवर्धन एवं मौलिक अभिव्यक्ति के लिए प्रतिबद्ध अंचल की सुप्रसिद्ध संस्कृति संस्था लोकमंजरी का 35 वां स्थापना दिवस समारोह मंजरी निवास लोकनगर उमरपोटी में धूमधाम से मनाया गया। ख्यातिप्राप्त राष्ट्रीय चित्रकार एवं रंगकर्मी हरी सेन के मुख्यातिथ्य व संस्था की वरिष्ठ लोकगायिका पुष्पलता नेताम की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में प्रख्यात बैजो वादक नूतनलाल देशमुख को मंजरी सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्था की नृत्य गुरु रामेश्वरी यादव द्वारा उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया। संस्था संयोजक पुनू यादव द्वारा लोकमंजरी की कलायात्रा व भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि हरी सेन ने संस्था की प्रस्तावित क्षेत्रीय संग्रहालय की स्थापना को लेकर व्यापक कार्य योजना तैयार कर तत्संबंध में सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम संयोजक टिकेश्वरी लाल देशमुख ने संस्था के सांगठनिक स्वरूप पर विचार मंथन के सुझाव



दिए। इस संगीतिक यात्रा में पुष्पलता नेताम, माधव कुशवाहा, वीरेंद्र शर्मा, लॉरेंस साहू व रामेश्वरी ने संगीत निर्देशक दुर्वासा टंडन व इकराज सिंह भामरा के निर्देशन में संस्था के शीर्षक गीत के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी लोक परंपरा से जुड़ी विभिन्न प्रस्तुतियां दी गईं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संस्था के लोकेश्वर साहू, जगतपाल, दिनेश साहू, गौतम निर्मलकर ओमप्रकाश यादव सहित संस्था के कलाकार बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कॅरियर मार्गदर्शन व चित्रकला में दिखाई प्रतिभा, रक्तवीरों को किया प्रोत्साहित



भिलाई। लक्ष्य छत्तीसगढ़ एवं लक्ष्य दुर्ग जिला के संयुक्त तत्वावधान में एमएम रिजॉर्ट, भिलाई में प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोधी समाज के उत्कृष्ट शिक्षकों, प्रतिभावान बच्चों एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर, कैरियर मार्गदर्शन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट शिक्षकों एवं प्रतिभावान बच्चों को मेडल, मोमेंटो, प्रतीक चिह्न, शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं कैरियर मार्गदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा एवं भविष्य में बेहतर अवसरों के संबंध में जानकारी दी गई। रक्तदान शिविर में भी लोगों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के

अतिथियों में लक्ष्य छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष चैन दास जंघेल, प्रदेश संयोजक डॉ. अशोक कुमार वर्मा, संरक्षक किशोर वर्मा, एफआर वर्मा, पूरन सिंह पटेल, अवधेश पटेल, डॉ. सावित्री जंघेल, कमलेश वर्मा, बसंती जंघेल, गया प्रसाद वर्मा, उषा जंघेल, मनोहर जंघेल, जीवन कौशिक एवं फतेलाल चंदेल सहित अन्य उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में समाजसेवी सुरेंद्र कौशिक, नीता लोधी एवं महेश वर्मा शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन दुर्ग जिला अध्यक्ष ईश्वरी वर्मा ने किया। आयोजन में लक्ष्य दुर्ग जिला की टीम से भीम कुमार बघेल, धनेश्वर वर्मा, उमा प्रसाद सिंह, दिलीप वर्मा, ऋतुराज लोधी, रूप कुमार मेघवाल, किशोर वर्मा एवं मलखान सिंह लोधी सहित अन्य सदस्यों का योगदान रहा।

नवकार परिसर पुलगांव नाका में आयोजित 10 दिवसीय भादवा मेले का समापन

रामदेव बाबा के भादवा मेले में उमड़े भक्त, हवनकुंड में नारियल अर्पित कर की प्रार्थना, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस हुए शामिल

कार्नेर न्यूज

दुर्ग। रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर पुलगांव नाका में आयोजित 10 दिवसीय भादवा मेले के अंतिम दिन सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही दरबार में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। महाआरती एवं हवन-पूजन के साथ मेले के अंतिम दिन धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। इस दौरान भजन-कीर्तन से पूरा दरबार परिसर भक्तिमय हो उठा। भजनों की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए अपनी श्रद्धा और भक्ति प्रकट करते नजर आए। भक्तमाता शांतादेवी बापजी के दर्शन के लिए दिनभर श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। श्रद्धालुओं ने हवनकुंड की परिक्रमा कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा हवनकुंड में नारियल अर्पित कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धालुओं ने दरबार में मत्था टेककर परिवार एवं प्रदेश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।



सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई

इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी भी श्री रामदेव बाबा दरबार पहुंचे। पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, महामंत्री विनोद अरोरा, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी महामंत्री राजेंद्र साहू, पूर्व विधायक अरुण चोरा, एलडरमैन तोखन सिन्हा, जिला कांग्रेस कमेटी महामंत्री राहुल शर्मा, कांग्रेस नेता चिराग शर्मा, आरुष शर्मा, पार्षद प्रकाश गौते, पूर्व पार्षद ऋषभ जैन (बाबू) सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के प्रमुखों ने गुरुदेव सोहनलाल बापजी की शिष्या भक्तमाता शांतादेवी बापजी के दर्शन किए। उन्होंने प्रदेशवासियों को सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की। भादवा मेले में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ ही अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे। प्रतिदिन शाम से देर रात तक नवकार परिसर में श्रद्धालुओं का मेला लगा रहा। अंतिम दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने मेले की भव्यता और धार्मिक आस्था को और अधिक जीवंत कर दिया।



10 दिनों तक भक्ति और आस्था का बना रहा माहौल

दोपहर बाद दरबार परिसर में महाप्रसादी (मंडार) का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस दौरान श्रद्धालुओं की व्यवस्था में दरबार के प्रमुख रमेश कुमार जैन, मनीष जैन, पायल जैन, गौरव बजाज, महावीर बाफना, संतोष छाजेड़, प्रवीण पाँचा, गौरव पाँचा, प्रशांत शर्मा, मनीष छाजेड़, राकेश कुंभट, नरेश मंडारी, राकेश धारीवाल, मोटी सोनी, रूपल गुप्ता, गुंजा पाँचा सहित अन्य सदस्य जुटे रहे।

सिटी इवेंट

देवदास बंजारे को श्रद्धा से किया याद
कलाकारों और समाजसेवियों का सम्मान

भिलाई। पंथी नृत्य और लोकसंस्कृति के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले अंतरराष्ट्रीय पंथी नृत्य कलाकार स्व. देवदास बंजारे की 21वीं पुण्यतिथि सतनामी आश्रम कसारीडीह में श्रद्धा के साथ मनाई गई। पंथी एवं साहित्य विकास समिति के तत्वावधान तथा संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में गुरु वंदना एवं आरती-पूजा के बाद गुरु घासीदास बाबा और देवदास बंजारे के शैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. उषा बारले, प्रोफेसर राम नारायण टंडन, स्वामी राम बंजारे, चंद्रशेखर बंजारे, पार्वती दीदी, गीता बंजारे, डॉ. चुरावन साहू, शीतल कोठारी, सुखदेव बंजारे, भगवान दास टंडन, चुरावन बघेल, मोनाक्ष, सरोजबाला पाहित, मनोज मधुकर और रूप कुमार जांगड़े सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान सम्मान समारोह एवं पंथी प्रतियोगिता भी हुई। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं पंथी के पितामह पुरानीक लाल चेलक द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में आयोजन समिति की ओर से स्व. देवदास बंजारे के सुपुत्र दिलीप बंजारे, मोहनदास चतुर्वेदी, गौररघु बघेल, ऋषि टंडन, देव महते, देवेन्द्र चतुर्वेदी, संजय गायकवाड़, कैलाश, विनोद, खिलावन कोसरे, पंकज चतुर्वेदी, देवेन्द्र मिर्चे, मनीष, फूलन, टोपेस और राजुलाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। आयोजन में हजारों लोगों की सहभागिता रही।

धर्म लाइव

कालीदास कृष्णानन्द महाराज का
हुआ आगमन, लिया आशीर्वाद



भिलाई। शिव शक्ति कालीदास धाम के पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 कालीदास कृष्णानन्द महाराज का एसजे परिवार में आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने धोराभाटा स्थित एसजे फार्म गोशाला और दुर्ग स्थित एसजे हाइट्स कार्यालय में पहुंचकर परिवार के सदस्यों को आशीर्वाद प्रदान किया। गुरुदेव के सानिध्य और आशीर्वाद से एसजे परिवार के सदस्यों ने स्वयं को अभिभूत बताया। इस दौरान उन्होंने सेवा, संस्कार और सद्भाव के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए गुरुदेव का मार्गदर्शन प्राप्त किया। परिवार के सदस्यों ने कहा कि संत का सानिध्य जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और सेवा की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर अनिल शर्मा, अश्वनी शर्मा, स्नेहलता शर्मा सहित एसजे परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

समाज इवेंट

तकनीकी समझ से समस्याओं के
समाधान में सक्षम, हुआ क्विज



दुर्ग। भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दुर्ग में इंजीनियर्स एवं मैनेजर्स डे के अवसर पर प्रोफेशनल एक्टिविटी एंड अवेयरनेस क्लब के तत्वावधान में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में संस्थान के सभी 13 विभागों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने ज्ञान, तार्किक क्षमता एवं टीम भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कंप्यूटरसाईंस विभाग की टीम के अमन गुप्ता एवं हुसैन फैजी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एमबीए विभाग के दुवे और अमन श्रीवास्तव ने द्वितीय स्थान, ईसीए विभाग के अथर्व अग्रवाल एवं पुष्पेंद्र साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में संस्थान के प्राचार्य डॉ. अनूप मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता टीमों को पुरस्कृत करते हुए इंजीनियर्स एवं मैनेजर्स डे के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रोफेशनल एक्टिविटी एंड अवेयरनेस क्लब की प्रोफेसर-इन-चार्ज डॉ. सुप्रिया त्रिपाठी ने आभार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के आयोजन में डॉ. देवेश श्रीवास्तव, डॉ. चैताली चौधरी, डॉ. शंखा डे, डॉ. मुकेश चंद्रकार, डॉ. मीनल शाह, अमरेंद्र सिंह और रजनीश सहित प्रोफेशनल एक्टिविटी एंड अवेयरनेस क्लब के सभी छात्र स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

विश्वेश्वरैया के योगदान को किया याद

दुर्ग। भारत विश्वविद्यालय दुर्ग में दो दिन अभियंता दिवस और विश्वकर्मा जयंती समारोह की धूम रही। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दी। अभियंता दिवस के अवसर पर भारत रत्न सर एम विश्वेश्वरैया के योगदान को स्मरण करते हुए आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, डिस्प्लिन-वाइज रैप्य वॉक, फन गेम्स, सेल्फी बुथ, गेम जोन और रंगोली प्रतियोगिताओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. दीपक दास ने नवाचार, तकनीकी दक्षता का राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। आयोजन में जूली सिंह साधक, मिस डी जेनेट और पायल गुप्ता का विशेष योगदान रहा। इसी क्रम में 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर, इंजीनियरिंग वर्कशॉप और प्रयोगशालाओं में भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना व हवन किया गया। मशीनों व तकनीकी उपकरणों की पूजा कर विद्यार्थियों और तकनीकी कर्मचारियों ने कौशल, सुरक्षा व समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. योगेश कुमार देशमुख के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुलपति डॉ. आलोक भट्ट, कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र कुमार स्वर्णकार, डीन ऐकैडमिक डॉ. अजय कुमार सिंह, डीन एजुकेशन डॉ. मनोज कुमार मौर्या सहित अन्य मौजूद थे।

सिद्धितप पारणा महा महोत्सव का किया जा रहा आयोजन, आज होगा समापन

शाही पारणा, महापूजन और भक्ति संध्या में उमड़े जैन
समाज के लोग, आज भ्रमण को निकलेगा वरघोड़ा

दुर्ग। शासन स्पर्श वर्षावास के अंतर्गत श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट एवं शासन स्पर्श वर्षावास समिति, दुर्ग द्वारा आयोजित सिद्धितप पारणा महामहोत्सव अत्यंत मत्स्य, श्रद्धापूर्व एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। धार्मिक कार्यक्रमों में दुर्ग सहित देश के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। विशेष रूप से सिद्धितप तपस्वियों के शाही पारणा के अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। समाज के लोग तपस्वियों की साधना की अनुमोदना करने और उनके मंगल पारणा के साक्षी बनने के लिए आयोजन स्थल पर पहुंचते रहे। महामहोत्सव के पहले दिन सुबह सिद्धतप महापूजन का आयोजन अत्यंत मत्स्य एवं भक्तिमय वातावरण में किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महापूजन में सहभागी होकर सिद्ध परमोष्ठियों की आराधना की तथा सिद्धितप आराधकों की कठिन साधना की अनुमोदना की। पूजन के दौरान पूरा परिसर धार्मिक मंत्रोच्चार, भक्ति एवं मंगल भावों से गूँज उठा। दोपहर में मेहदी साड़ी का आयोजन भी उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसमें महिलाओं एवं समाजजनों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। सिद्धितप तपस्वियों के शाही पारणा का आयोजन हुआ। सुबह से ही आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं का पहुंचना प्रारंभ हो गया था। दूसरे दिन का मुख्य आकर्षण सिद्धितप तपस्वियों का प्रथम शाही पारणा रहा। तपस्वियों के लिए विशेष रूप से शाही बैठक तैयार की गई थी। तपस्वियों को अत्यंत गरिमापूर्ण एवं शाही अंदाज में विराजित कर पारणा कराया गया। लोढ़ा परिवार एवं चोपड़ा परिवार द्वारा तपस्वियों का प्रथम शाही पारणा कराया गया। इस अवसर पर उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं ने तपस्वियों की तपस्या, त्याग एवं संयम की हृदयपूर्वक अनुमोदना की। तपस्वियों के पारणा के समय पूरा वातावरण मंगल भावों से भर गया। श्रद्धालुओं ने इस पावन अवसर को अपने लिए सौभाग्य का क्षण माना।



दादा गुरुदेव महापूजन में
भी उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गुरु भक्तों एवं समाजजनों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर महापूजन में सहभागिता की। विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव से संपन्न हुए इस आयोजन के दौरान पूरा परिसर धार्मिक वातावरण से ओतप्रोत रहा। पूजा के पश्चात उपस्थित समाजजनों एवं गुरु भक्तों के लिए स्वामी वात्सल्य का आयोजन किया गया। दोपहर में आयोजित द्वितीय शाही पारणा में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। तपस्वियों के प्रति अनुमोदना का क्रम पूरे दिन जारी रहा। संख्या में आयोजित मंगल गीत के दौरान भी श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और तपस्वियों की साधना की मंगल अनुमोदना की। रात्रि में मुंबई के मनन संघवी एवं टीम द्वारा मत्स्य भक्ति संख्या का आयोजन किया गया। जिनशासन, गुरु भक्ति एवं तप की अनुमोदना से जुड़े भक्ति गीतों पर श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और देर रात तक भक्तिमय वातावरण का आनंद लिया।



ट्रस्ट एवं वर्षावास समिति ने जताया आभार

शासन स्पर्श वर्षावास समिति के संयोजक सुरेश कोठारी ने कहा कि सिद्धितप तपस्वियों की साधना की अनुमोदना के लिए आयोजित यह महामहोत्सव पूरे संघ के सामूहिक सहयोग से सफल हो रहा है। बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने तप एवं धर्म के प्रति समाज की आस्था को प्रदर्शित किया है। श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पदम चंद बरडिया ने कहा कि गुरुभगवतों की पावन मिश्रा, तपस्वियों की साधना और समाजजनों की सहभागिता से आयोजन अत्यंत मंगलमय वातावरण में संपन्न हो रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। ट्रस्ट के महामंत्री विनोद गोलरुख ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सहयोग देने वाले सभी समाजजनों, कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतने बड़े आयोजन की सफलता सामूहिक सहभागिता का परिणाम है। संजय लोढ़ा ने भी तपस्वियों की साधना की अनुमोदना करते हुए आयोजन में सहभागी सभी परिवारों एवं समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। सीए मिश्रें छत्रेड ने बताया कि भारी बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का तपस्वियों की अनुमोदना के लिए पहुंचना इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता रही। उन्होंने कहा कि देशभर से आए श्रद्धालुओं एवं स्थानीय समाजजनों की सहभागिता ने सिद्धितप पारणा महामहोत्सव को विशेष बना दिया है।

आज नगर भ्रमण को निकलेगा
वरघोड़ा, इसके बाद धर्मसभा

सिद्धितप पारणा महामहोत्सव की सफलता में समाज के अनेक वरिष्ठजनों, परिवारों एवं सामाजिक संस्थाओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। आयोजन में विशेष सहयोग एवं योगदान के लिए पूर्व अध्यक्ष कान्तिनाथ बोथरा, श्री संतोष लोढ़ा, हर्ष सांखला, योगेश बरडिया, निर्मल लोढ़ा, पारस झाबक एवं उत्तम लोढ़ा सहित सहयोगी समाजजनों के प्रति आयोजन समिति ने आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं ने भी आयोजन की सफलता में सक्रिय सहभागिता की। इनमें हम -13 ग्रुप पड़ानामपुर, जैन सोशल ग्रुप, एजेएम मंडल, जिनकृपाल मंडल एवं जीव दया ग्रुप का विशेष सहयोग रहा। इन संस्थाओं एवं समूहों के सदस्यों ने आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की सेवा, धार्मिक कार्यक्रमों एवं सामूहिक सहभागिता में अपना योगदान दिया। 22 सितंबर को और भी मत्स्य रूप में आयोजित किया जाएगा। सुबह 7 से 8 बजे तक नवकारसी के बाद सुबह 8 बजे मत्स्य वरघोड़ा निकाला जाएगा। वरघोड़े के पश्चात पूज्य गुरुभगवतों के पावन सान्निध्य में धर्मसभा एवं तपस्वी बधायणा होगा।

माता-पिता के सम्मान का दिया संदेश

तीज मिलन में सजी संस्कृति की महफिल गीत
और नृत्य के साथ प्रतियोगिताओं ने बांधा समां



भिलाई। तीज के उल्लास ने दिवन्सिटी की महिलाओं को एक साथ जोड़ते हुए सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक रंगों से सजा दिया। रुआबांधा में मानिकपुरी पनिका समाज की महिलाओं और प्रगति नगर रिसाली प्रतिवेश्वरी मंदिर में देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई नगर के महिला प्रकोष्ठ की ओर से तीज मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोनों आयोजनों में महिलाओं ने उत्साह के साथ भागीदारी की। कहीं गीत-नृत्य और नाटक ने समां बांधा, तो कहीं तीज वटीन, व्यंजन, खेलकूद और सजावट प्रतियोगिताओं ने आयोजन को खराब बना दिया। रुआबांधा में नाटक ने दिया भावनात्मक संदेश : मानिकपुरी पनिका समाज रुआबांधा की महिलाओं के तीज मिलन में गीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रही। इन श्रुती मां-बाप ला नाटक के माध्यम से माता-पिता के प्रति सम्मान और उनकी भावनाओं को समझने का संदेश दिया गया, भिलाई के विभिन्न क्षेत्रों से समाज की महिलाएं कार्यक्रम में शामिल हुईं। मुख्य अतिथि शशि सिन्हा, महापौर नगर निगम रिसाली, तथा अतिथियों में जमुना ठाकुर, ममता यादव, झमिति गायकवाड़, रामेश्वरी गायकवाड़, हेमिन चतुर्वेदी, सीमा साहू, छत्तीसगढ़ी लोकगायिका रजनी रजक, जामुन साहू, रंजिता बंजारे, शरदा पलके, अरुणा जैन, विमा और कान्तिनाथ वर्मा उपस्थित रही।

परमेश्वरी मंदिर में प्रतियोगिताओं की धूम देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई नगर के महिला प्रकोष्ठ ने परमेश्वरी मंदिर, प्रगति नगर रिसाली में तीज मिलन के साथ विभिन्न प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। मुख्य अतिथि डॉ. लता गोपाल देवांगन, अध्यक्ष प्रमा सूर्यमंगल देवांगन तथा विशिष्ट अतिथि तृप्ति राजेश देवांगन और उषा देवांगन ने गणेश एवं माता परमेश्वरी की पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। तीज वटीन प्रतियोगिता में ज्योति देवांगन कंचन और चेतना उपविजेता रही। गीते व्यंजन में रूपमाला प्रथम, मीनाक्षी द्वितीय और मनीषा बांजुरे तृतीय रही। नमकीन व्यंजन में चेतना, जयश्री और विनीता ने क्रमशः स्थान प्राप्त किया। समर वटीन में आकांक्ष, तनुजा और कामना तथा 'दो जुन' विजय प्रतियोगिता में अर्द्धि, जयश्री और तनुजा विजेता रही। सर्वरल गेम में उमा, वेणुका और मीनाक्षी ने स्थान बनाया। गणपति सजावट के लिए प्रतिभा को सम्मानित किया गया। तनुजा-कामना, ज्योति-कंचन के युगल नृत्य और मीनाक्षी एवं टीम की समूह नृत्य प्रस्तुति ने भी खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का संचालन मीनाक्षी एवं विनीता-सुनील देवांगन ने किया। महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष कल्पना मानु देवांगन एवं टीम के आयोजन में समाज के अध्यक्ष रामानंद देवांगन, डॉ. सूर्यमंगल देवांगन, डॉ. गोपाल देवांगन, सोहन लाल देवांगन सहित समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों का सहयोग रहा।

तीज मिलन समारोह

मजेदार प्रतियोगिताओं
के विजेता पुरस्कृत



दुर्ग। छत्तीसगढ़ कलार समाज द्वारा तीज मिलन समारोह सिन्हा कलार सामाजिक भवन राजीव नगर में आयोजित किया गया, जिसकी मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेविका डॉ. मानसी गुलाटी थीं। विशेष रूप से ममता देवांगन पार्षद राजीव नगर मौजूद थीं। अध्यक्षता लक्ष्मी सिन्हा अध्यक्ष महिला मंच ने की। कार्यक्रम भगवान सहस्रबाहु अर्जुन देव व माता बहादुर कलारिन के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित, माल्यार्पण कर तथा स्वर्णायनों को श्रद्धांजलि अर्पित की। तीज मिलन का प्रारंभ किया गया, जिसमें समाज के सैकड़ों महिलाएं एकजुट होकर नाच गाना, रंगोली, व तीज विनन प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को पुरस्कृत किया गया। महिलाओं को ससम्मान उपहार भेंटकर पुष्पगुच्छ से सम्मान किया गया। महिला मंच कोषाध्यक्ष हेमलता सिन्हा, प्रदेश पदाधिकारी बिशेसर सिन्हा, जिलाध्यक्ष सुरेश सिन्हा, मंडलेश्वर शिवसागर सिन्हा, संरक्षक भुनेश्वर सिन्हा, सचिव हीरा सिन्हा, कोषाध्यक्ष विष्णु सिन्हा, युवा सचिव बिरेन्द्र, रूकुम, जगदीश, भरत, मनोज, राजेन्द्र, बिरेन्द्र किसोरीलाल, कुंती, चम्पा, दुलारी, दीपकुमारी, दुलारी, टिलेखरी, गीता सिन्हा, निषा, गायत्री, भूमिका, चित्ररेखा, पुष्पा, पायल, ज्योति, सहित अन्य मौजूद थे।

आनंद सरोवर दुर्ग में दिल्ली से पहुंचे 42 ब्रह्मकुमार

त्याग, तपस्या और पवित्रता की दिखी झलक, मन को
स्वस्थ और सकारात्मक रखने किया मेडिटेशन

कार्नर
न्यूज

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बधेरा स्थित आनंद सरोवर में ओम शांति रिट्रीट सेंटर, दिल्ली से 42 ब्रह्मकुमारों का आगमन हुआ। छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए ब्रह्माकुमारी बहनों आत्मीयता से स्वागत किया। ओम शांति रिट्रीट सेंटर की विशेषता बताते हुए कहा कि यहां सेवा में समर्पित भाई-बहन ज्ञान, योग एवं आध्यात्मिक मूल्यों को अपने जीवन में धारण कर विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।



ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी गुलजार, ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दादी और ब्रह्माकुमारीज के पूर्व महासचिव ब्रह्माकुमार बुजमोहन के विशेष मार्गदर्शन में इन सभी ने अपने जीवन को ज्ञान, योग एवं मूल्यों से विशेष बनाया है। सभी अतिथियों का पुष्प एवं पट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका बीके रीटा और रूपाली का शाल पहनाकर सम्मान किया।एजिंग विद डिगिनीटी अभियान में किया सम्मान स्वागत उद्घोषण में बीके रीटा ने कहा भारत की राजधानी से आए त्याग, तपस्या और सेवा की प्रतिमूर्ति महाराज कुमारों का भगवान के घर आनंद सरोवर में स्वागत एवं अभिनंदन है। एक परमात्मा के घर से दूसरे परमात्मा के घर आए इन होली हंसों के मस्तक एवं नयनों से सीनरता, मधुरता और पवित्रता दिखाई दे रही है। होम्योपैथी चिकित्सक दुर्गेश ने मन और शरीर के स्वास्थ्य के संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मन को स्वस्थ एवं सकारात्मक रखने में मेडिटेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बी.के. राजकुमार ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज को भारत सरकार की ओर से विभिन्न वर्गों की सेवा के अवसर मिलते रहते हैं। इसी क्रम में एजिंग विद डिगिनीटी अभियान के माध्यम से बुजुर्गों को सम्मानपूर्वक एवं गौरवपूर्ण जीवन जीने के लिए देशभर में सेवाएं संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम में दीपेश ने मधुर गीत और मदन ने कविता प्रस्तुत की। मंच संचालन सुशर्बू ने किया। इस अवसर पर दुर्ग के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भाई-बहन उपस्थित रहे।

सिटी स्पोर्ट्स

सूर्य-बुध का शुभ योग!
पितृपक्ष शुरू होने तक तीन राशियों को होगा धन लाभ



आगामी 26 सितंबर तक कन्या राशि में बुधादित्य राजयोग रहने वाला है। 26 सितंबर को पितृपक्ष के पहले दिन जब बुध कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में गोचर करेंगे, तब बुधादित्य राजयोग समाप्त होगा। उससे यह शुभ योग तीन राशि के जातकों को जबरदस्त लाभ देने वाला है। ज्योतिषविदों का कहना है कि श्राद्ध पक्ष आरंभ होने से पूर्व बुध-सूर्य की जोड़ी तीन राशियों को करियर, कारोबार और आर्थिक मोर्चे पर खूब लाभ देने वाली है।

सिंह राशि : सिंह राशि वालों के लिए बुधादित्य राजयोग कार्यक्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने वाला हो सकता है। इस दौरान आत्मविश्वास में वृद्धि होने तथा वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। वहीं व्यापार करने वाले जातकों के लिए नई रणनीति तैयार करने का समय बेहतर रह सकता है। इससे आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

कन्या राशि : कन्या राशि वालों के लिए यह ग्रह संयोग करियर के लिहाज से लाभकारी साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आपकी मेहनत और कार्यकुशलता को पहचान मिलने के योग हैं। लंबे समय से रुके हुए काम दोबारा गति पकड़ सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ आय के अतिरिक्त साधन तलाशने में भी सफलता मिलने की संभावना है।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि वालों के लिए बुधादित्य योग करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते खोल सकता है। वरिष्ठ लोगों का मार्गदर्शन से मेहनत का उचित परिणाम मिलने के भी योग हैं। आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत हैं। पुराने निवेश, रुका हुआ भूगतान या आय के अतिरिक्त स्रोत से लाभ मिल सकता है। हालांकि बड़े आर्थिक फैसले लेते समय सावधानी बरतना उचित रहेगा।

3 अक्टूबर को शुक्र अस्त, तीन राशियां 42 दिन सुख-सुविधाओं से रहेंगी भरपूर



शुक्र 3 अक्टूबर को तुला राशि में वक्री होंगे और करीब 42 दिनों तक इसी अवस्था में रहेंगे। इस दौरान मालव्य पंचमहापुरुष राजयोग और लक्ष्मी नारायण योग का प्रभाव भी रहेगा। मेष, मिथुन और कर्क राशि के जातकों के लिए शुक्र का वक्री होना सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। शुक्र की उल्टी चाल इन तीन राशियों को करियर, कारोबार और आर्थिक मोर्चे पर जबरदस्त लाभ दे सकती है।

मेष राशि : मेष राशि वालों पर इसका असर रिश्तों और साझेदारी से जुड़े मामलों पर देखने को मिल सकता है। रिश्तों में नया और खूबसूरत बदलाव आ सकता है। कारोबार करने वालों को मुनाफा मिलने के योग बन सकते हैं। बिजनेस को लेकर नए आइडिया आएंगे और मार्केट में अपनी पहचान बनाने में सफलता मिल सकती है। स्वास्थ्य के लिहाज से भी समय अनुकूल दिखाई दे रहा है।

मिथुन राशि : मिथुन राशि वालों के लिए भी शुक्र का वक्री होना फायदेमंद हो सकता है। इसका असर जातकों के आत्मविश्वास, साहस और पराक्रम पर पड़ सकता है। डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन या स्टॉक मार्केट से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ के योग मिल सकते हैं। धन की स्थिति में सुधार आता दिखाई देगा। पुराने कर्ज या उधार से मुक्त हो सकते हैं।

कर्क राशि : कर्क राशि वालों के लिए शुक्र चौथे भाव में वक्री होंगे और इसी भाव में मालव्य राजयोग का निर्माण करेंगे। इस दौरान मानसिक शांति मिल सकती है और समाज में मान-सम्मान बढ़ने के योग बन सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा और घर में खुशियों का माहौल बना रह सकता है। किसी पुराने वाद-विवाद या कोर्ट-कचहरी के मामले में राहत मिलने के संकेत हैं।

बाजार में कई ऐसे खाद्य पदार्थ हैं, जिनमें मिलावट की संभावना अधिक

कहीं आप भी तो नहीं कर रहे मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन, आसान तरीकों से जानें सामान में मिलावट

खाद्य मिलावट एक गंभीर समस्या है, जो हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। बाजार में कई ऐसे खाद्य पदार्थ हैं, जिनमें मिलावट की संभावना अधिक होती है। इस लेख में हम आपको उन खाद्य पदार्थों के बारे में बताएंगे, जो आमतौर पर रसोई में होते हैं और जिनमें मिलावट होने की संभावना अधिक होती है। इसके अलावा हम आपको मिलावट की पहचान करने के तरीके भी बताएंगे, ताकि आप सुरक्षित और स्वस्थ भोजन कर सकें।



चायपत्ती में मिलावट सबसे बड़ी समस्या

चायपत्ती में मिलावट भी एक बड़ी समस्या बन चुकी है। इसमें नकली रंग मिलाया जाता है, जो चाय को गहरा रंग देता है और असली चायपत्ती की तरह दिखता है। इसके अलावा चायपत्ती में नकली स्वाद भी मिलाया जा सकता है, जिससे इसका स्वाद बदल जाता है। मिलावट की पहचान के लिए चायपत्ती को पानी में मिलाकर देखें। इसके अलावा आप इसकी सुगंध और बनावट से भी पहचान कर सकते हैं।

दूध में यूरिया व पानी की मिलावट

दूध में मिलावट सबसे आम है। इसमें पानी मिलाने के अलावा कुछ लोग दूध में यूरिया या सोडियम फॉर्मेलिहाइड जैसे हानिकारक रसायनों की भी मिलावट कर देते हैं। इन रसायनों के सेवन से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। मिलावट की पहचान के लिए दूध की कुछ बुंदें कागज पर डालें। अगर दूध सूख जाए तो यह असली है, लेकिन अगर दाग छोड़ दे तो सम्झ जाइए कि दूध मिलावटी है।

हल्दी में मिलाते हैं हानिकारक रसायन

हल्दी का इस्तेमाल सिर्फ खाने में ही नहीं, बल्कि औषधि के रूप में भी किया जाता है। हालांकि, कई लोग हल्दी में मिलावट कर देते हैं। इसमें पोटेशियम बोमेट या मेलेटोनिन जैसे हानिकारक रसायनों की मिलावट की जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसके अलावा हल्दी में नकली रंग भी मिलाया जा सकता है, जो रंगीन दिखाने के लिए किया जाता है। मिलावट की पहचान के लिए हल्दी को पानी में मिलाकर देखें।

रोटी को कुछ सरल तरीकों से बनाया जा सकता है और भी ज्यादा प्रोटीनयुक्त

रोटी भारतीय खान-पान का अहम हिस्सा है और इसे हर घर में बनाया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि रोटी को कुछ सरल तरीकों से प्रोटीन युक्त बनाया जा सकता है। जी हां, यह आसानी से संभव है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी रोटी में प्रोटीन बढ़ा सकते हैं, जिससे यह और भी पौष्टिक हो जाएगी।

दाल मिलाएं : दाल का आटा रोटी में मिलाने से उसमें प्रोटीन की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। आप मूंग, मसूर या अरहर की दाल का आटा इस्तेमाल कर सकते हैं। इन दालों का आटा रोटी में मिलाने से न केवल प्रोटीन बढ़ता है, बल्कि इसका स्वाद भी बढ़ जाता है। इससे आपकी रोटी और भी सेहतमंद और स्वादिष्ट बनती है। आप चाहें तो दाल के आटे की जगह पर रोटी में दाल भरकर भी खा सकते हैं।

सोयाबीन का आटा मिलाएं : सोयाबीन का आटा भी प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, जिसे आप अपनी रोटी में मिला सकते हैं। यह आपकी रोटी को अधिक सेहतमंद बना सकता है और इसमें प्रोटीन की मात्रा बढ़ा सकता है। सोयाबीन का आटा मिलाने से रोटी का स्वाद भी बदल

जाता है और यह अधिक फायदेमंद हो जाती है। इससे आपकी रोटी में प्रोटीन की मात्रा बढ़ती है, जो आपके शरीर को ताकत देती है और आपको स्वस्थ रखती है।

चने का आटा मिलाएं: चना का आटा भी प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, जिसे आप अपनी रोटी में मिला सकते हैं। चने का आटा मिलाने से रोटी का पोषण स्तर बढ़ता है और यह अधिक फायदेमंद हो जाती है। चने का आटा मिलाने से रोटी का स्वाद भी बदल जाता है और यह अधिक सेहतमंद बन जाती है। इससे आपकी रोटी में प्रोटीन की मात्रा बढ़ती है, जो आपके शरीर को ताकत देती है और आपको स्वस्थ रखती है।

बादाम या अखरोट का पाउडर मिलाएं : बादाम या अखरोट का पाउडर मिलाने से आपकी रोटी में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। इन सूखे मेवों का पाउडर रोटी में मिलाने से न केवल इसका पोषण स्तर बढ़ता है, बल्कि यह और भी स्वादिष्ट बन जाती है। बादाम या अखरोट का पाउडर मिलाने से रोटी में जरूरी वसा भी शामिल हो जाती है, जो आपके शरीर को ताकत देती है और आपको स्वस्थ बनाए रखती है।



कार्नर न्यूज

गर्भवती महिलाओं को चाय, कॉफी और ठंडे पेय जैसी चीजों का सेवन कम से कम करना चाहिए

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अपनी खान-पान की चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि इसका प्रभाव न केवल उन पर, बल्कि गर्भ में पल रहे बच्चे पर भी पड़ता है। गर्भवती महिलाओं को ऐसी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए, जिनमें अधिक मात्रा में चीनी, चाय-कॉफी और चर्बी होती है, क्योंकि इनसे बच्चे का वजन प्रभावित हो सकता है। आइए जानते हैं कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को किन खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए।



चाय-कॉफी और ठंडे पेय से बनाएं दूरी

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को चाय-कॉफी और ठंडे पेय से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। इससे हमारा मतलब है कि गर्भवती महिलाओं को चाय, कॉफी और ठंडे पेय जैसी चीजों का सेवन कम से कम करना चाहिए। इन चीजों में कैफीन की मात्रा अधिक होती है। इससे बच्चे का वजन प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा अधिक कैफीन का सेवन करने से गर्भवती महिलाओं को नींद न आना, चिंता और बेचैनी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

ज्यादा मसालेदार चीजों से करें परहेज

गर्भावस्था के दौरान ज्यादा मसालेदार चीजों का सेवन करने से भी बचना चाहिए, क्योंकि इससे पेट में जलन और गैस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा ज्यादा मसालेदार चीजें खाने से गर्भ में बच्चे को भी नुकसान पहुंच सकता है। यह ध्यान रखना जरूरी है कि ज्यादा मसालेदार चीजों का सेवन करने से कुछ गर्भवती महिलाओं को उल्टी और दस्त जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।



बिस्तर पर करवटें बदलने की आदत नींद की गुणवत्ता को कर सकती है प्रभावित

बिस्तर पर करवटें बदलना एक सामान्य आदत हो सकती है, लेकिन यह नींद की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। इस आदत को छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन कुछ तरीके अपनाकर आप इसे सुधार सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे असरदार सुझाव देंगे, जिनसे आप बिस्तर पर करवटें बदलने की आदत को छोड़ सकते हैं और बेहतर नींद ले सकते हैं। इससे बार-बार नींद खराब होने की परेशानी भी हल होगी।

सही गद्दा चुनें : आपके गद्दे का चयन आपकी नींद पर बड़ा असर डाल सकता है। एक ऐसा गद्दा चुनें, जो आपके शरीर के आकार और वजन के अनुसार हो। इससे आपकी रीढ़ की हड्डी सही स्थिति में रहेगी और आपको करवटें बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा गद्दे की मोटाई और मुलायम बनावट भी महत्वपूर्ण होती है। सही गद्दा न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपकी नींद की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।



सही तकिया लगाएं : तकिये का सही चयन भी बहुत अहम होता है। ऐसा तकिया चुनें, जो आपकी गर्दन और सिर को सही सहारा दे सके। इससे आपकी रीढ़ की हड्डी सीधी रहेगी और आपको करवटें बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा तकिये की ऊंचाई और मुलायम बनावट भी महत्वपूर्ण होती है। सही तकिया न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपकी नींद की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है और आपको सुबह तरोताजा महसूस होता है।

सोने का समय तय करें : हर दिन एक ही समय पर सोना और उठना आपकी नींद की आदत को स्थिर बना सकता है। इससे आपका शरीर एक निश्चित समय पर सोने और जागने के लिए तैयार हो जाएगा, जिससे आपको करवटें बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। नियमित समय पर सोने से आपकी आंतरिक घड़ी संतुलित रहती है और आप बेहतर नींद ले सकते हैं। इसके अलावा यह आदत आपके शरीर को आराम और तरोताजा महसूस कराती है।

सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग कम करें

सोने से पहले मोबाइल फोन, टैबलेट या टीवी देखने से बचें, क्योंकि इनकी रोशनी आपकी नींद को प्रभावित कर सकती है। इसके बजाय किताब पढ़ें या ध्यान करें, ताकि आपका मन शांत हो जाए और आप आसानी से सो सकें। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होगी और आपको करवटें बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। नियमित रूप से यह आदत अपनाने से आपकी नींद में सुधार आएगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

मानसिक शांति बनाए रखें : सोने से पहले मानसिक शांति बहुत जरूरी होती है। गहरी सांस लें, ध्यान लगाएं या हल्की स्ट्रेचिंग करें, ताकि आपका मन शांत हो सके और आप आसानी से सो सकें। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होगी और आपको करवटें बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। नियमित रूप से यह अभ्यास करने से आपकी नींद में सुधार आएगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। मानसिक शांति बनाए रखने से आपकी नींद में सुधार आएगा।

अल्कोहल वाले पेय का न करें सेवन

गर्भावस्था के दौरान अल्कोहल वाले पेय का सेवन करने से बिल्कुल बचना चाहिए, क्योंकि इससे गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान पहुंच सकता है। शराब का सेवन करने से बच्चे का जन्म के समय का वजन कम होना, शारीरिक समस्याएं और मानसिक विकार जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा शराब का सेवन करने से गर्भवती महिलाओं को उल्टी और दस्त जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

ज्यादा मीठे खाने का न करें सेवन

गर्भावस्था के दौरान ज्यादा मीठे खाने का सेवन करने से भी बचना चाहिए। इससे हमारा मतलब है कि गर्भवती महिलाओं को अधिक मात्रा में मिठाईयां खाने से बचना चाहिए। इससे गर्भ में पल रहे बच्चे का वजन बढ़ सकता है और शक्कर का स्तर भी प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा ज्यादा मीठा खाने से गर्भवती महिलाओं को मधुमेह जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, बेहतर होगा कि महिलाएं मीठी चीजों का सेवन सीमित करें।

ताजा फल और सब्जियों का करें सेवन

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। इसके लिए उन्हें अपनी खाने में ताजा फल और सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे बच्चे को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलेंगे और उसका विकास सही तरीके से होगा। इसके अलावा महिलाएं खाने में दालें, अनाज, दूध और डेयरी उत्पादों को भी शामिल कर सकती हैं। इनसे उन्हें और उनके गर्भ में पल रहे बच्चे को कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।



फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

94 डॉलर में बेची थी पहली कहानी, फिर रच डाली गेम ऑफ थ्रोन्स की दुनिया

दुनिया की सबसे लोकप्रिय वेब सीरीज के बारे में बात की जाए तो उसका नाम गेम ऑफ थ्रोन्स है। 8 सीजन और 73 एपिसोड वाले इस काल्पनिक कहानी वाली



शो के रचयिता जॉर्ज रेमंड रिचर्ड मार्टिन हैं। कभी 94 डॉलर्स के लिए अपनी कहानियां बेचने वाले जॉर्ज आर. आर. मार्टिन ने किस तरह से अपनी कलम से गेम ऑफ थ्रोन्स की दुनिया को रचा। 20 सितंबर, 1948 को जॉर्ज आर. आर. मार्टिन का जन्म बेयोन, न्यू जर्सी, संयुक्त राज्य अमेरिका में एक रहने वाले एक गरीब परिवार में हुआ था। उस वक्त किसी को ये मालूम नहीं था कि आने वाले समय में जॉर्ज अपने हुनर के दम पर फैमिली का नाम पूरी दुनिया में रोशन करेंगे। बचपन से ही जॉर्ज को कहानियां लिखने और सुनने का शौक रहा और जैसे वह बड़े होने लगे, उनका शौक धीरे-धीरे पेशावर बनने की राह पर चल पड़ा। बात की जाए जॉर्ज आर. आर. मार्टिन की ऐजुकेशन डिटेल्स के बारे में तो उन्होंने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी मेंडिल स्कूल ऑफ जर्नलिज्म से 1970 में पत्रकारिता में बीएस और 1971 में एमएस की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज के दिनों में ही मार्टिन ने अपनी कहानियां पत्रिकाओं में भेजना शुरू कर दिया था। इतना ही नहीं मार्टिन अपने बचपन में न्यू जर्सी में वह पड़ोस के बच्चों के लिए राक्षसों की छोटी-छोटी कहानियां लिखते थे। इसके बदले वह हर कहानी के बदले पांच सेंट लेते थे।

टॉलीवुड

मैसा के टीजर में दमदार एक्शन करती नजर आई रश्मिका

रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मैसा' का टीजर रिलीज हो चुका है। इसमें रश्मिका अब तक के अपने सबसे अलग और अनदेखे अवतार में



नजर आ रही हैं। इसकी कहानी पिता-बेटी के रिश्ते के इर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म के टीजर में रश्मिका कई दुश्मनों से जुझते हुए अपने पिता को ढूँढने में जुटी हुई हैं। वो कभी कीचड़, कभी जंगल तो कभी पानी के अंदर दुश्मनों से भिड़ती नजर आ रही हैं। इस फिल्म में रश्मिका रफ एंड टफ और गुस्सेल अंदाज में नजर आ रही हैं। यह पहली बार है जब वो किसी हार्ड-कोर एक्शन रोल में नजर आएंगी। सीता रामम के लिए पहचाने जाने वाले निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने इस फिल्म में एक्शन, भावनाओं और भव्यता को एक साथ पिरोया है। यह एक्शन ड्रामा 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगा। टीजर में रश्मिका एक उग्र, रफ-टफ और गुस्सेल अंदाज में नजर आ रही हैं, जिसमें उनका ऐसा रूप देखने को मिल रहा है, जिसे दर्शकों ने इससे पहले कभी नहीं देखा। हाई-ऑक्टेन एक्शन से भरपूर यह झलक फिल्म की मूल कहानी की ओर भी इशारा करती है। यह एक एक शक्तिशाली पिता-बेटी के रिश्ते की कहानी। 'मायसा' पिता-बेटी के रिश्ते को एक नए अंदाज में पेश करती है, जहां भावनाओं, एक्शन और बड़े पैमाने पर फिल्मएफ गए दृश्यों का शानदार मेल देखने को मिलेगा। सीता रामम में अपने प्रशंसित काम के लिए जाने जाने वाले निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने इस फिल्म में एक्शन, भावनाओं और भव्यता को एक साथ पिरोया है। फिल्म एक ऐसी दिलचस्प दुनिया तैयार करती है, जिसके केंद्र में रश्मिका है।

भोजपुरी

बॉडी शेमिंग पर रानी का छलका दर्द, की सलमान की तारीफ

‘बिग बॉस 20’ में वीकेंड का वार एपिसोड में सलमान खान ने बॉडी शेमिंग करने वाली ट्रेलिंग का मुद्दा उठाया। साथ ही पैपरराजी के गलत तरीके से पीछे से फोटो और वीडियो शेयर करने का भी मुद्दा उठाया। इस पर उन्होंने गुस्सा भी निकाला। साथ ही अपनी शर्ट खोलकर कहा, ‘अब करो ट्रेला’। वहीं, पैप्स के गलत तरीके से फोटो वीडियो लेने पर भी भड़ास निकाली और थपड़ मारने की बात कही। ऐसे में अब सलमान के इस स्टैंड का लोग सपोर्ट कर रहे हैं। इसमें सेलेब्स भी उनकी तारीफ कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने बॉडी शेमिंग और एज पर ट्रेलिंग को लेकर अपना दर्द बयां किया है। रानी ने सलमान की भी तारीफ की कि इंडस्ट्री से पहली बार किसी मर्द ने एक्ट्रेसेस के सपोर्ट में आवाज उठाई है। रानी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर की है। रानी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर लिखा, ‘सलमान खान एक दिल है और कितनी बार जीतोगे आप। आपने इंडिया की उन सब लड़कियों के लिए स्टैंड लिया जो रोज ट्रेलिंग का सामना कर रही हैं रोज एज शेमिंग बॉडी शेमिंग से परेशान हैं। थैंक्यू सर सलमान खान इंडिया में एक ही जो ये कर सकता है।’ वो आगे एक और पोस्ट में लिखती हैं, ‘भोजपुरी एक्ट्रेस हूँ अपने लिए स्टैंड खुद लेना पड़ता है ट्रेलिंग करन वाले कुछ यूट्यूबर कुछ इंस्टा चलाने वाले कल सलमान सर ने बहुत अच्छी बात कही कि इन्हें प्रेस का कार्ड कौन दिया है?’ रानी आगे लिखती हैं, ‘इन्होंने अपनी शक्ति देखी है क्या?’ खुद की मां बहन की बॉडी शेमिंग करो एज शेमिंग करो? बहुत खुशी हुई जब सलमान सर सभी के लिए स्टैंड लिए। मैं भोजपुरी एक्ट्रेस हूँ कई सालों से बहुत सारी भोजपुरी एक्ट्रेस को कुछ स्टार्स के फैंस बॉडी शेमिंग एज शेमिंग और ना जाने क्या क्या बोलते हैं। पर कोई ऐसा मर्द नहीं जिसने अपनी इंडस्ट्री की महिला के लिए कोई स्टैंड लिया। किसी ने नहीं। हमारे पास सलमान नहीं हैं, इसलिए भोजपुरी एक्ट्रेस को अपने लिए स्टैंड लेना पड़ता है।’

बॉलीवुड एक्ट्रेस राशा थडानी खूबसूरती अपनी मां रविना थंडन को टक्कर देती हैं। एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिस पर ओरी ने भी कमेंट कर उनकी तारीफ की है। राशा ने रेड कलर का मनीष मल्होत्रा का डिजाइन किया हुआ लहंगा पहना है। इसके साथ स्मोकी आई मेकअप किया है और न्यूड लिपस्टिक लगाई है। राशा के इस लुक पर फैंस भी अपना दिल हार बैठे हैं। सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि राशा की खूबसूरती देख सेलेब्स के भी रिएक्शन सामने आए हैं। सबसे पहले डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने हार्ट इमोजी भेजा है। वहीं, ओरी ने कमेंट में फायर इमोजी भेज एक्ट्रेस को हॉट का टैग दे दिया है।



रेड लहंगा पहन बनवाई राशा

लाइफ स्टाइल

दो रंगों के कपड़े पहनने का शौक है तो जानिए इन्हें स्टाइल करने के आसान तरीके



फैशन

फैशन की दुनिया में रंगों का बड़ा महत्व होता है, खासकर जब बात 2 विपरीत रंगों की होती है। 2 रंगों के कपड़े न केवल देखने में आकर्षक होते हैं, बल्कि इन्हें पहनकर आप भीड़ से अलग भी दिख सकती हैं। इस लेख में हम आपको 2 विपरीत रंगों के कपड़ों को स्टाइल करने के कुछ सरल और प्रभावी फैशन टिप्स बताएंगे, जिससे आप हर मौके पर सबसे अलग और स्टाइलिश दिखेंगी। **सही रंगों का चयन करें** : 2 विपरीत रंगों का मेल चुनते समय ध्यान रखें कि वे एक-दूसरे के साथ कैसे दिखेंगे। जैसे नीला और नारंगी, हरा और लाल या पीला और बैंगनी जैसे रंगों का मेल बहुत अच्छा लगता है। इसके अलावा आप अपनी त्वचा के रंग और बालों के रंग के अनुसार भी रंगों का चयन कर सकती हैं। इससे आपका लुक और भी खास लगेगा और आप सबसे अलग दिखेंगी। **कपड़ों की फिटिंग पर ध्यान दें** : दो विपरीत रंगों के कपड़ों को स्टाइल करते समय उनकी फिटिंग बहुत जरूरी होती है। अगर आपका कोई कपड़ा ढीला होगा तो वह आपको बेढंगा दिखा सकता है, इसलिए हमेशा सही फिटिंग वाले कपड़े ही चुनें। इसके अलावा अगर आप किसी खास मौके पर जा रही हैं तो वहां के माहौल के अनुसार कपड़ों की फिटिंग चुनें, ताकि आप आराम महसूस करें और स्टाइलिश भी दिखें। आप ढीली पैंट के साथ टाइट टॉप या विपरीत फिट भी बना सकती हैं। **गहनों का चयन सोच-समझकर करें** : दो विपरीत रंगों के कपड़ों के साथ सही गहनों का चयन करना जरूरी होता है, ताकि आपका लुक पूरा हो सके। अगर आपने हल्के रंग का पहनावा चुना है तो गहरे रंग की बेल्ट या बैग अच्छे लगेंगे। वहीं, गहरे रंग वाले कपड़ों के साथ हल्के और सरल गहने पहनें, ताकि आपका लुक संतुलित रहे। इसके अलावा आप अपने कपड़ों के रंगों से मेल खाते गहनों का भी चयन कर सकती हैं। **जूतों का चयन भी है अहम** : जूतों का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे आपके कपड़ों के रंगों से मेल खाते हों। अगर आपने हल्के रंग का पहनावा पहना है तो गहरे रंग के जूते अच्छे लगेंगे और इसके विपरीत गहरे रंग वाले कपड़ों के साथ हल्के रंग के जूते पहनें। इसके अलावा जूतों का स्टाइल भी जरूरी होती है।

रंग-रूप निखारने चेहरे पर लगाएं गुलाब का जेल, जानिए इसे बनाने का तरीका

गुलाब का जेल एक प्राकृतिक और असरदार स्किन केयर उत्पाद है, जो चेहरे को ताजगी और निखार देता है। यह जेल न केवल आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है, बल्कि इसे मुलायम और चमकदार भी बनाता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे आप घर पर ही आसानी से गुलाब का जेल बना सकते हैं और इसे अपने रोजमर्रा के स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। **इसे बनाने के लिए जरूरी चीजें** : गुलाब का जेल बनाने के लिए आपको ताजे गुलाब की पंखुड़ियां, पानी और जेल बनाने वाला पदार्थ चाहिए। आप चाहें तो इसमें शहद या एलोवेरा जेल भी मिला सकते हैं, जो आपकी त्वचा को अतिरिक्त नमी देगा। इसके अलावा आप इसमें कुछ बूंदें विटामिन-D तेल की भी मिला सकते हैं, जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इन सभी सामग्रियों को एक साथ मिलाकर आप एक बेहतरीन गुलाब का जेल तैयार कर सकते हैं। **गुलाब की पंखुड़ियों को तैयार करें** : गुलाब का जेल बनाने के लिए सबसे पहले ताजे गुलाब की पंखुड़ियों को साफ करें। इसके लिए आपको गुलाब के फूलों की पंखुड़ियों को पानी से धोकर साफ करना होगा, ताकि



उनमें कोई गंदगी या कीड़ा न हो। इसके बाद पंखुड़ियों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें, ताकि उन्हें आसानी से पिघलाया जा सके। ध्यान रखें कि पंखुड़ियों में कोई मोटा हिस्सा न बचे, जिससे जेल बनाने में आसानी हो। **गुलाब का रस निकालें** : गुलाब की पंखुड़ियों को तैयार करने के बाद अब आपको गुलाब का रस निकालना होगा। इसके लिए एक बर्तन में पानी उबालें और उसमें कटे हुए गुलाब की पंखुड़ियां डाल दें। लगभग 10-15 मिनट तक उबालने के बाद पानी गुलाबी हो जाएगा। अब गैस बंद करके मिश्रण को ठंडा होने दें और छान लें, ताकि केवल गुलाब का रस बचे।

केप टॉप को इन तरीकों से स्टाइल करें, हर मौके पर लगेंगी सबसे ज्यादा खूबसूरत

केप टॉप एक ऐसा परिधान है, जो न केवल आरामदायक है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाता है। यह महिलाओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प है, खासकर त्योहारों के मौके पर, जब आप कुछ खास दिखना चाहती हैं। केप टॉप को सही तरीके से स्टाइल करने पर यह आपके पूरे लुक को निखार सकता है। आइए जानते हैं कि केप टॉप को किन-किन तरीकों से स्टाइल करके आप हर मौके पर सबसे सुंदर दिख सकती हैं। **स्कर्ट के साथ पहनें** : केप टॉप को स्कर्ट के साथ पहनना एक बढ़िया तरीका हो सकता है। अगर आप शार्ट डेनिम स्कर्ट या टाइट मिनी स्कर्ट पहनेंगी तो आपका लुक सबसे ज्यादा खास लगेगा। टॉप और स्कर्ट के रंगों का मेल ट्रेंडी रखें, ताकि आपको एक आधुनिक लुक मिले। आप चाहें तो इसे मिडी या मैक्सੀ स्कर्ट के साथ भी पहन सकती हैं, जिससे आपको सादगी भरा और एलिगेंट लुक मिल जाएगा। पारंपरिक लुक के लिए उस स्टाइल की स्कर्ट चुनें।



जींस के साथ मेल करें

अगर आप रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ नया आजमाना चाहती हैं तो जींस के साथ केप टॉप एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इस मेल से आपको एक साधारण और स्टाइलिश लुक मिलेगा। आप चाहें तो इस लुक को पूरा करने के लिए आरामदायक जूते पहन सकती हैं। इसके अलावा हल्के गहने और एक छोटा बैग आपके लुक को और भी खास बना सकते हैं। **साड़ी के ऊपर पहनें** : साड़ी के ऊपर केप टॉप पहनना एक अलग और आकर्षक तरीका हो सकता है। यह आपके पारंपरिक लुक को एक आधुनिक अंदाज देता है। खासकर जब आप शिफॉन की साड़ी पहन रही हों तो उसके ऊपर एक हल्के डिजाइन वाला केप टॉप बहुत अच्छा लगेगा। इस मेल से आपको एक शाही और मनोहर अंदाज मिलेगा।

वर्तमान मौसम में इस तरह से स्टाइल करें फ्लेनल शर्ट, लगेंगी सबसे ज्यादा खूबसूरत

फ्लेनल शर्ट एक ऐसा परिधान है, जो बड़े चेक वाली और 2 से 3 रंगों वाली मोटे कपड़े की शर्ट होती है। यह शर्ट गुलाबी ठंड के मौसम के लिए बेहतरीन है, क्योंकि यह आपको ठंड से बचाने के साथ-साथ आकर्षक लुक भी देती है। **जींस के साथ फ्लेनल शर्ट का मेल** : फ्लेनल शर्ट को जींस के साथ पहनना एक शानदार तरीका है। आप नीली या काली जींस के साथ अपनी पसंदीदा रंग की फ्लेनल शर्ट पहन सकती हैं। यह मेल न सिर्फ आपको आरामदायक महसूस कराएगा, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाएगा। अगर आप थोड़ी अलग दिखना चाहती हैं तो फ्रिंटेड या डिजाइन वाली जींस चुनें। **लेगिंग के साथ फ्लेनल शर्ट** : अगर आप आरामदायक और



स्टाइलिश लुक चाहती हैं तो फ्लेनल शर्ट को लेगिंग के साथ आजमाएं। काली या ग्रे लेगिंग के साथ आपकी फ्लेनल शर्ट बहुत अच्छी लगेगी। इस तरह का मेल आपको एक आधुनिक लुक देगा और आप कहीं भी जाएं, वहां आकर्षण का केंद्र बनेंगी।

स्कर्ट के साथ फ्लेनल शर्ट : फ्लेनल शर्ट को प्लेड स्कर्ट के साथ पहनकर आप एक नया और चलन में रहने वाला लुक पा सकती हैं। प्लेड स्कर्ट के साथ विपरीत रंग की फ्लेनल शर्ट चुनें, जैसे लाल और काले रंग का मेल बहुत खूबसूरत लगता है। **ड्रेस के ऊपर फ्लेनल शर्ट** : अगर आपके पास पहले से ही एक साधारण ड्रेस है तो उस पर एक फ्लेनल शर्ट पहनकर उसे नया अंदाज दें। यह तरीका आपके लुक में गहराई और विविधता लाएगा, जिससे आप हर बार नई जैसी दिखेंगी। इसके साथ आप हल्का मेकअप और साधारण गहने पहन सकती हैं, ताकि आपका लुक पूरा हो सके और आप आरामदायक भी महसूस करें।

कार्नर न्यूज

आरामदायक हैं, बल्कि आपको सुंदर और आत्मविश्वासी भी बनाएंगे

गर्भवती महिलाएं त्योहारों पर पहनें ऐसे लिबास जो लगेें स्टाइलिश और रहें आरामदायक



सूती सलवार-कमीज

सूती सलवार-कमीज गर्भवती महिलाओं के लिए सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है। यह न केवल आरामदायक होता है, बल्कि गर्मी में ठंडक भी देता है। सूती कपड़े की खासियत यह है कि यह त्वचा को हवा लगने देता है और पसीना सोखता है। आप हल्के रंगों का चयन कर सकती हैं, जो त्योहारों की रौनक बढ़ाएंगे और आपको मनमोहक लुक देंगे। इसके अलावा इसमें लचीला कमरबंद होने से आपको अतिरिक्त आराम मिलेगा।

लहंगा-चोली

अगर आप पारंपरिक लुक चाहती हैं तो लहंगा-चोली एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। आजकल बाजार में गर्भवती महिलाओं के लिए भी लहंगा-चोली उपलब्ध है, जिनमें पेटिकोट की जगह लचीला कमरबंद होता है। यह न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि पहनने में भी आरामदायक होता है। आप हल्के कढ़ाई वाले लहंगे का चयन कर सकती हैं, जो आपको शाही अंदाज देगा और पूरे दिन आराम भी महसूस होगा।

प्लाजो वाले सूट

प्लाजो वाले सूट आजकल बहुत चलन में हैं और ये गर्भवती महिलाओं के लिए भी एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। यह पोशाक न केवल स्टाइलिश दिखती है, बल्कि बहुत ही आरामदायक भी होती है। प्लाजो वाले सूट में लचीला कमरबंद होता है, जिससे आपको अतिरिक्त आराम मिलता है। आप प्लाजो को किसी भी साधारण या कढ़ाई वाले कुर्रों के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका पूरा लुक खास लगेगा।

साड़ी

अगर आप साड़ी पहनना पसंद करती हैं तो हल्की बनारसी या जरी की कारीगरी वाली साड़ी चुन सकती हैं। इन साड़ियों की विशेषता होती है कि ये न केवल सुंदर दिखती हैं, बल्कि हल्की भी होती हैं, जिससे आपको पूरे दिन आराम महसूस होगा। इसके अलावा आप इसे किसी साधारण ब्लाउज के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

अनारकली सूट

अनारकली सूट गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत ही शानदार और आरामदायक होता है। यह पोशाक आपके शरीर के आकार को छिपाने में मदद करती है और आपको सुंदर दिखती है। अनारकली सूट में आमतौर पर ढीली फिटिंग होती है, जिससे आपको पूरे दिन आराम महसूस होता है। आप हल्के रंगों और सरल डिजाइनों का चयन कर सकती हैं, जो त्योहारों की रौनक बढ़ाएंगे और आपको मनमोहक लुक देंगे।

